AE-1040

B.A. (Part - I)
Term End Examination, 2016-17

SANSKRIT LITERATURE

Paper - II

गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

इकाई-I

1. अधोलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 20

(क) गर्भैश्वरत्वमभिनवयौवन त्वमप्रतिमरूप त्वममानुष-शक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थ परम्परा। सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायत नम्, किमुत समवायः यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजल

प्रक्षालाननिर्मलापि कालुष्यमुपयातिबुद्धिः।
अनुज्झित धवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।

(ख) लतेव विटपकानध्यारोहति। गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गावुदूबुदचञ्चला दिवसकरगतिरिव प्रकटित विविधं संक्रान्तिः। पाल गुटेव तमो बहुला। हिडिम्बेव भीमसाहसैकहार्य्यहृदया। प्रावृडिवाचिर धुतिकारिणी। दुष्ट पिशाचीव दर्शितानेक पुरुषोच्छाया स्वल्पसत्वभुन्यन्ती करोति।

(ग) आत्मविडम्बिनाञ्चानुजीविना जनेन क्रियमाणाभिंनन्दन्ति। मनसा देवताध्यारोपण प्रतारणा सम्भूत-सम्भावनोपहताश्चान्तः प्रविष्टापर-भुजद्वयमिवात्मबाहुयुगलं सम्भावयन्ति। त्वगत्तरित तृतीयलोचनं स्वललाटमाशङ्कते।

इकाई-II

2. 'शुकनासोपदेशं' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 10

अथवा

लोभीपथिक की हितोपदेशानुसार लिखिए।

इकाई-III

3. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 20

(क) विधा शस्त्रस्य शास्त्रस्य द्वे विधे प्रतिपत्तये।
आधा हास्याय वृद्धत्वे द्वितीयाऽऽद्रियते सदा॥

(ख) रूपयौवन सम्पन्नां विशाल कुल सम्भवा।

विधाहीना: न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुका॥

(ग) लोभात्क्रोध: प्रभवति, लोभात्काम: प्रजायते।

लोभान्मोहश्चनाशश्य, लोभ: पापस्य कारणम्॥

(घ) येन शुक्लीकृता हंसा, शुकाश्च हरतीकृता:।

मयूराश्चित्रिता येन सते वृत्तिं विधास्यति॥

इकाई-IV

4. कथा और आख्यायिका में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

निम्नांकित में से किन्हीं **दो** का परिचय दीजिए :

(क) वेतालपंचविशति:

(ख) हितोपदेश:

(ग) उत्तररामचरितम्

(घ) स्वप्नवासवदत्तम्

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर सारगर्भित टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(क) नैषधीयचरितम्

(ख) महाकविमाघ

(ग) पं. अम्बिकादत्त व्यास

(घ) किरातार्जुनीयम्